



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं. 445] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 6, 1992/कार्तिक 15, 1914  
No. 445] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 6, 1992/KARTIKA 15, 1914

---

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

---

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1992

9 प्रतिशत राहत बॉन्ड, 1987

सा. का. नि. 856 (प्र).—एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि 9 प्रतिशत  
राहत बॉन्ड, 1987 के संबंध में 11 जनवरी, 1988 की अधिसूचना द्वारा यथासंशोधित

2753 GI/92

(1)

दिनांक 17 नवम्बर, 1987 की अधिसूचना संख्या एक 4(31)-डब्ल्यू एंड एम/87 में निम्नलिखित और संशोधन किए जाएंगे, अर्थात्—

पैराग्राफ 5 में अन्तिम वाक्य अर्थात्—

“किमी भी परिस्थिति में अतिदेय अदायगियों के लिए कोई ब्याज देय नहीं होगा” को हटाया जाए और निम्नलिखित परन्तुफ को जोड़ा जाए और इसे हमेशा के लिए जोड़ा हुआ माना जाए :

“बशर्ते कि ऐसे धारक, जो उपर्युक्त पैरा 4 के उप-पैरा (4) की शर्तों के अनुसार बांडों के जारी होने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर अपने बांडों को भुगतान नहीं है, को वार्षिक अंतराल अथवा वार्षिक चक्रवृद्धि आधार पर, जैसा भी मामला हो, ब्याज की 9 प्रतिशत वार्षिक दर से और ब्याज देय होगा। यह ब्याज परिपक्वता-तारीख से विमोचन मूल्य की अभावगी के लिए बांडों को प्रस्तुत किये जाने के समय तक देय होगा।”

[संख्या एक 4(9)-डब्ल्यू एंड एम/92]

राष्ट्रपति के आदेश से,  
पूर्णेन्दु भट्टाचार्य, अतिरिक्त सचिव अधिकारी

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 6th November, 1992

9% Relief Bonds, 1987

G.S.R. 856(E).—It is hereby notified that the following further amendment shall be made in Notification No. F. 4(31)-W&M/87 dated 17th November, 1987, as amended by Notification dated 11th January, 1988, on the subject “9 per cent Relief Bonds, 1987, namely—

In paragraph 5, the sentence at the end, namely—

“no interest will be payable for overdue payments under any circumstances” shall be deleted and the following proviso shall be, and shall be deemed always to have been, inserted :

"Provided that for her interest at the rate of 9 per cent per annum shall be payable to such of the holders who do not encash their bonds on the expiry of 5 years from the date of their issue in terms of sub-paragraph (4) of paragraph 4 above, at annual intervals or compounded with annual rests, as the case may be. Such interest will be payable from the date of maturity till the time the bonds are presented for payment of discharge value."

[No. F. 4(9)-W&M|92]

By order of the President,

P. N. BHATTACHARYYA, Additional Budget Officer

